एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न करने अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. 'गोदान' में चित्रित सिलिया-मातादीन प्रकरण की विवेचना कीजिए । *20*

अथवा

'धरती धन न अपना' में चित्रित दलित समाज की जीवन-स्थितियों का विश्लेषण कीजिए ।

2. "मैला आंचल" में स्वातंत्र्योत्तर ग्राम जीवन की राजनीतिक-सामाजिक विशेषताएँ किस रूप में व्यक्त हुई हैं — स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

'सूखा बरगद' की सामाजिक अंतर्वस्तु का विवेचन कीजिए ।

3. "सिक्का बदल गया" इसी तरह की कहानी है जहाँ मानवीय प्रेम के लुप्त होते जाने के बावजूद सद्भाव का एक संदेश निहित है ।" — इस कथन की समीक्षा कीजिए । 20

अथवा

गंगी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

4. 'कर्मनाशा की हार' कहानी की सामाजिक प्रगतिशीलता को रेखांकित कीजिए । 20

अथवा

'यह अंत नहीं' कहानी भारतीय समाज की जाति आधारित भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था पर प्रकाश डालती है । विवेचना कीजिए ।

5. ऐतिहासिक-सांस्कृतिक उपन्यास के रूप में 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का मूल्यांकन कीजिए । 20

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 10 = 20$

(क) 'त्रिशंकु' कहानी की केन्द्रीय समस्या

(ख) 'रोज़' कहानी में मालती की पीड़ा

(ग) प्रेमचंद **अथवा** प्रसाद की कहानी-कला

(घ) 'भोलाराम का जीव' कहानी की अन्तर्वस्तु